कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष:67 अंक-02 मुम्बई जनवरी 2023

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:67 अंक-02 मुम्बई जनवरी 2023

इस अंक में

समाचार सार 03-18

खादी और ग्रामोद्योगी गतिविधियों के बेहतर कार्यान्वयन हेतु पहाड़ी तथा सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष ज़ोर - श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी.....3

आयोग के अध्यक्ष ने कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री श्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की 5

खादी सुधार और विकास कार्यक्रम का उद्देश्य खादी संस्थान द्वारा संचालित बिक्री आउटलेटों का नवीनीकरण करके खादी क्षेत्र को पुनर्जीवित करना है.....6

आयोग की 693 वीं बैठक.....6

G-20 सम्मेलन में खादी ग्रामोद्योग की भूमिका पर समीक्षा बैठक.....6

पीएमईजीपी के तहत ऋण.....7

केवीआईसी और असम राइफल्स के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर; अर्धसैनिक बल अब खादी सरसों के तेल का स्वाद चखेंगे.....8

खादी की आंचलिक समीक्षा बैठक (उत्तरी क्षेत्र).....9

आयोग के माननीय सदस्य, पूर्व क्षेत्र श्री मनोज कुमार सिंह ने रांची में आयोजित एक कार्यक्रम में चर्म उद्योग के तहत मशीन, उपकरण व टूल्स का वितरण किया.....9

आयोग के अध्यक्ष ने आगरा और बाराबंकी में पादुकायें बनाने वाली मशीनें और 200 बी-बॉक्स वितरित किये.....10

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने पीएमईजीपी के तहत वित्तपोषित ऑटो मोबाइल सेवा केंद्र का दौरा किया.....11

खादी इंडिया.....12

नकली खादी की बिक्री.....13

बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर का 67 वां महापरिनिर्वाण दिन.....14

हरिद्वार में 20 कुम्हार कारीगरों के लिए 10 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न.....14

'देशरत्न' डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी की 138वीं जयंती के अवसर पर.....15

बैंकर्स की समीक्षा बैठक आयोजित 15

प्रमाण पत्र वितरित 15

पीईएमजीपी के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम.....15

तिरुवल्ला, पथानामथिट्टा में पीएमईजीपी एक्सपो- 2022,खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की एक प्रदर्शनी-सह-बिक्री मेला 16

हिंदी कार्यशाला का आयोजन.....16

एसएलएमसी की बैठक आयोजित.....16

एर्नाकुलम में खादी संस्थाओं की बैठक.....16

पीएमईजीपी की समीक्षा बैठक.....17

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा भोगपुर कताई प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा.....17

मीडिया कवरेज..... 19-21

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्री विनीत कुमार

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
कलाकार
दिलीप पालकर
उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

Khadi India

खादी और ग्रामोद्योगी गतिविधियों के बेहतर कार्यान्वयन हेतु पहाड़ी तथा सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष ज़ोर - श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी

9 जनवरी, 2023 को अगरतला, त्रिपुरा मे आयोजित देश के पूर्वोत्तर क्षेत्रों द्वारा शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के उदघाटन के साथ ही स्फूर्ति योजना के तहत पश्चिम त्रिपुरा बांस मैट क्लस्टर का उद्घाटन और नए केवीआईसी भवन के उद्घाटन, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि केवीआईसी की प्राथमिकता विभिन्न कार्यक्रमों व योजनाओं के माध्यम से देश में अतिरिक्त रोजगार के अवसरों का निर्माण करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में अपना संपूर्ण योगदान देना है, जिससे कि इस क्षेत्र से जुड़े अधिक से अधिक कारीगरों, कत्तिनों व बुनकरों के हाथ में धनराशि पहुँच सके।

माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने माननीय सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे तथा माननीय

मुख्यमंत्री महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में अगरतला में आयोजीय विभिन्न कार्यक्रमों तथा योजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र के विकास हेतु शुरू किए गए कार्यक्रमों के प्रोत्साहन के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग हर संभव प्रयास कर रहा है ताकि जमीनी स्तर पर खादी और ग्रामोद्योगी गतिविधियों को बेहतर तरीके से कार्यान्वित किया जा सके और पहाड़ी तथा सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा सके।

माननीय अध्यक्ष, केवीआईसी, ने इस बात का उल्लेख करते हुए कहा कि विगत 8 से खादी को आगे बढ़ाने के लिये हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी निरंतर प्रयासरत हैं उन्होने खादी को पुनर्जीवित करने हेतु प्राथमिकता दी तथा 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' के आदर्श वाक्य पर 'खादी' को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

उन्होने कहा कि, भारत सरकार ने विनिर्माण क्षेत्र के अंतर्गत पीएमईजीपी के तहत मार्जिन दी जाने वाली मार्जिन मनी सब्सिडी के लिए परियोजना की अधिकतम लागत को भी 25 लाख रूपये से बढ़ाकर 50 लाख रूपये कर दिया है, जिससे पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए अतिरिक्त सहायता भी मिलेगी।

माननीय अध्यक्ष ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में खादी और ग्रामोद्योग की बिक्री 1 लाख 15000 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। इसी वर्ष 2 अक्टूबर को दिल्ली के खादी भवन में एक दिन की आज तक की उच्चतम रिकॉर्ड बिक्री 1 करोड़ 36 लाख रुपये रही तथा दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 नवम्बर से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान 200 से अधिक स्टॉल्स के माध्यम से खादी पवेलीअन ने 12 करोड़ से अधिक की बिक्री की ।

उन्होने कहा कि, केवीआईसी ने देश में शहद उत्पादन को बढ़ाने, पर्यावरण को सुरक्षित रखने और ग्रामीण जनता- ज्यादातर किसानों, महिलाओं, आदिवासियों और बेरोजगार युवाओं को लगातार रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से, देश में अब तक का पहला प्रमुख कार्यक्रम 'हनी मिशन' शुरू किया है।

इसी प्रकार, 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' कार्यक्रम शुरू किया गया है तथा अनुपयोगी, बंजर भूमि पर बांस के पौधे लगाने के लिए भी योजना शुरू की है, जो कि अगरबत्ती, फर्नीचर और कलात्मक हस्तशिल्प वस्तुओं को बनाने के लिए कच्चे माल का स्रोत है।

उन्होने बताया पिछले 3 वर्षों में, 346 खादी कारीगरों के लिए वर्कशेड बनवाए गये, 15710 मधुमक्खी कालोनी वितरित की गई, 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' के अन्तर्गत 1020 कुम्हारों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किये गये,पीएमईजीपी योजना के अनर्गत लगभग 23,00 इकाइयों को स्वीकृत कर लगभग 467 करोड़ की सब्सिडी वितरित की गई जिसके माध्यम से 1,83,616 लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ I वहीं पूर्वोत्तर क्षेत्र में, 2021-22 के दौरान, खादी का उत्पादन 13 करोड़ 11 लाख रूपये तथा बिक्री 15 करोड़ 55 लाख रूपये रही, जिससे 5,827 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ ।

आयोग के अध्यक्ष ने कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री श्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 20 दिसंबर, 2022 को कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री श्री डॉ. जितेंद्र सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात की।

आयोग के अध्यक्ष ने बैठक के दौरान आभार स्वरूप उन्हें एक चरखा स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया गया। खादी क्षेत्र के विस्तार और विकास के संबंध में चर्चा की गई।

खादी सुधार और विकास कार्यक्रम का उद्देश्य खादी संस्थान द्वारा संचालित बिक्री आउटलेटों का नवीनीकरण करके खादी क्षेत्र को पुनर्जीवित करना है

22 दिसंबर 2022, दिल्ली: खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माध्यम से MSME मंत्रालय 'खादी सुधार और विकास कार्यक्रम' को लागू करता है, जिसका उद्देश्य कताई और बुनकरों के लिए आय और रोजगार बढ़ाने के लिए खादी संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे बिक्री आउटलेट का नवीनीकरण करके खादी क्षेत्र को पुनर्जीवित करना है। खादी सुधार पैकेज में निम्नलिखित क्षेत्रों में सुधार सहायता की परिकल्पना की गई है: (i) कारीगरों की आय और अधिकारिता, (ii) 449 खादी संस्थानों (केआई) को प्रत्यक्ष सुधार सहायता और (iii) एक सुगठित प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) का कार्यान्वयन। केआरडीपी के तहत केवीआईसी राज्य/मंडल कार्यालयवार पुनर्निर्मित बिक्री आउटलेटों की संख्या और वित्तीय सहायता संलग्न है।

केआरडीपी के तहत आउटलेट्स के नवीनीकरण का मुख्य उद्देश्य खादी उत्पादों की बिक्री में वृद्धि करना है। खादी की बिक्री बढ़ती प्रवृत्ति दर्शाती है जैसा कि नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है:

वर्ष हस्तक्षेप	बिक्री (करोड़ रुपये में)
2019-21	4211.26
2021-22	3527.71
2022-23	5051.72

*कोविड-19 महामारी के कारण बिक्री में कमी आई

केवीआईसी सेल्स आउटलेट्स के आधुनिकीकरण और कम्प्यूटरीकरण सहित सेल्स आउटलेट्स के नवीनीकरण के लिए 'मौजूदा कमजोर खादी संस्थानों के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और मार्केटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सहायता' की मौजूदा योजना के तहत मार्केटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है। इस योजना के तहत रुपये तक की वित्तीय सहायता। विपणन बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए केआई/विभागीय बिक्री आउटलेट/खादी

(शेष पृष्ठ 13 पर)

आयोग की 693 वीं बैठक

21 दिसम्बर, 2022 को मुंबई कार्यालय में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की 693 वीं बैठक में आने वाले नवीन वर्ष के प्रति रोडमैप पर अपने विचार रखे एवं सभी के विचारों पर चर्चा हुई।

G-20 सम्मेलन में खादी ग्रामोद्योग की भूमिका पर समीक्षा बैठक

21 दिसम्बर, 2022 को आगामी G-20 सम्मेलन में खादी ग्रामोद्योग की भूमिका के संबंध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की एवं तैयारियों का जायज़ा लिया।

पीएमईजीपी के तहत ऋण

12 दिसंबर 2022,दिल्ली : एमएसएमई मंत्रालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माध्यम से, गैर-कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना करके देश में स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए 2008-09 से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) लागू कर रहा है।

पीएमईजीपी के तहत मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के लिए लोन मुहैया कराया जाता है। इसके अलावा, पीएमईजीपी के तहत निम्नलिखित व्यापारिक और व्यावसायिक गतिविधियों की भी अनुमति है:

I. एनईआर, वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित जिलों और ए और एन द्वीप समूह में बिक्री आउटलेट के रूप में व्यावसायिक / व्यापारिक गतिविधियां।

II. खुदरा दुकानों/व्यवसाय - खादी उत्पादों की बिक्री, केवीआईसी द्वारा प्रमाणित खादी और ग्रामोद्योग संस्थानों से प्राप्त ग्रामोद्योग उत्पादों के साथ-साथ पीएमईजीपी इकाइयों द्वारा निर्मित उत्पादों और पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए निधि योजना (एसएफयूआरटीआई) के तहत स्थापित समूहों को भी अनुमति है। देश भर में पीएमईजीपी के तहत

III. देश भर में विनिर्माण (प्रसंस्करण सहित)/सेवा सुविधाओं द्वारा समर्थित खुदरा दुकानों की अनुमति है।

IV. उपरोक्त (i) और (ii) के अंतर्गत आने वाली व्यवसाय/व्यापार गतिविधियों के लिए परियोजना की अधिकतम लागत 20 लाख रुपये है।

V. एक राज्य में एक वर्ष में वित्तीय आवंटन का अधिकतम 10% ऊपर (i) और (ii) के तहत कवर किए गए व्यवसाय / व्यापारिक गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा सकता है।

पिछले तीन वर्षों में पीएमईजीपी के तहत लाभार्थियों की संख्या राज्य-वार अनुबंध में दी गई है।

पीएमईजीपी के तहत लाभार्थियों की संख्या की राज्यवार स्थिति

S.N	State/UT	2019-20	2020-21	2021-22
1	Andaman and Nicobar	93	155	162
2	Andhra Pradesh	2192	1674	2477
3	Arunachal	211	98	196
4	Assam	2603	2939	3855
5	Bihar	2221	2192	2477
6	Chandigarh -UT	14	10	21
7	Chhattisgarh	2811	2718	3020
8	Delhi	93	74	100
9	Goa	90	58	87
10	Gujarat*	3983	2854	4143
11	Haryana	2029	1740	1726
12	Himachal	1226	1208	1274
13	Jammu & Kashmir	5355	8575	21648
14	Jharkhand	1544	1522	1714
15	Karnataka	3697	4438	5877
16	Kerala	2421	2389	2789
17	Ladakh	0	281	295
18	Lakshadweep	0	3	7
19	Madhya Pradesh	2168	4854	8082
20	Maharashtra**	4404	3104	4128
21	Manipur	1173	1556	1139
22	Meghalaya	377	359	699
23	Mizoram	760	810	650
24	Nagaland	1109	740	1241
25	Odisha	2718	3171	4301
26	Puducherry	64	44	66
27	Punjab	1695	1652	1790
28	Rajasthan	3025	2772	2599
29	Sikkim	79	57	85
30	Tamil Nadu	5172	5188	5972
31	Telangana	2178	2025	2906
32	Tripura	962	842	958
33	Uttar Pradesh	6120	9994	12594
34	Uttarakhand	1844	2249	1836
35	West Bengal	2222	2070	2305
		66653	**74415**	**103219**

* दमन और दीव सहित। ** दादरा और नगर हवेली सहित

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

केवीआईसी और असम राइफल्स के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर; अर्धसैनिक बल अब खादी सरसों के तेल का स्वाद चखेंगे

नई दिल्ली, 22 दिसंबर, 2022: खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने सरसों के तेल की आपूर्ति के लिए असम राइफल्स के साथ हाथ मिलाते हुए भारत को "आत्मनिर्भर" बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया

है। केवीआईसी और असम राइफल्स ने सोमवार को इस आशय के एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन पर केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार की उपस्थिति में श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, केवीआईसी और श्री बीजू के. सैम, कमांडेंट, असम राइफल्स ने हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए"आत्मनिर्भर भारत अभियान" के समर्थन में स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा अर्धसैनिक बलों को दिये निर्देशों के अनुरूप यह पहल की गई है। एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने इस कदम का स्वागत किया है।

श्री अमित शाह ने पूरे भारत में सीएपीएफ कैंटीनों पर केवल "स्वदेशी" उत्पादों की बिक्री को भी अनिवार्य किया था । असम राइफल्स जल्द ही लगभग 2.71 करोड़ रुपये मूल्य के 458 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले कच्ची घानी सरसों के तेल की आपूर्ति करने का ऑर्डर देगी। केवीआईसी द्वारा इस ऑर्डर पर तेल की आपूर्ति 2022-23 के दौरान की जाएगी। कोल्हू वाले सरसों के तेल को बीआईएस विनिर्देश संख्या आईएस: 10325-2000 के अनुरूप 15 किलोग्राम वर्ग के आईएसआई चिह्नित टिन और पूरे भारत में लागू बीआईएस/ एफएसएसएआई मानदंडों के विनिर्देश के अनुसार 01 लीटर

पैट बोतल में पैक किया जाएगा।

केवीआईसी द्वारा सरसों के तेल की आपूर्ति उपयुक्त एफएसएसएआई मानकों के अनुरूप होगी। सरसों के तेल की गुणवत्ता की जांच प्राप्तकर्ता के यहां डीजी, असम राइफल्स द्वारा बनाए गए अधिकारियों के एक बोर्ड द्वारा की जाएगी।मानव उपभोग के लिए मजबूती, संपूर्णता और फिटनेस की दृष्टि से आपूर्ति किए जाने वाले सरसों के तेल के उपयोग की अवधि या "शेल्फ लाइफ" आपूर्ति की तारीख से लगभग नौ (09) महीने की होगी। असम राइफल्स द्वारा आपूर्ति का ऑर्डर जारी करने की तारीख से 45 दिनों के भीतर केवीआईसी द्वारा यह आपूर्ति की जाएगी । माल भाड़े के आधार पर भंडार को केवल पांच गंतव्यों 1) शिलांग, 2) दीमापुर, 3) मंत्रीपुखरी (इम्फाल), 4) सिलचर और 5) जोरहाट, असम राइफल्स के सभी एमजीएआर स्थानों तक सड़क/रेल परिवहन द्वारा भेजा जाना आवश्यक है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने गृह मंत्री की पहल के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह समझौता ज्ञापन एक ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि केवीआईसी द्वारा किसी सामग्री की आपूर्ति के लिए अर्धसैनिक बलों के साथ किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने का यह दूसरा अवसर है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में टिकाऊ स्थानीय रोजगार सृजित करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

केवीआईसी और असम राइफल्स ने एक वर्ष की अवधि के लिए इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे आगे चलकर नवीनीकृत किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि केवीआईसी ने हाल ही में सीएपीएफ कैंटीनों को शहद, अचार, खाद्य तेल, अगरबत्ती, पापड़, आंवला कैंडी और सूती तौलिये आदि जैसे उत्पादों की आपूर्ति की है। ■■■■

खादी की आंचलिक समीक्षा बैठक (उत्तरी क्षेत्र)

खादी की आंचलिक समीक्षा बैठक (उत्तरी क्षेत्र) के अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने राजघाट से स्वदेशी की विरासत को आगे बढ़ाकर भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया।

आयोग के माननीय सदस्य, पूर्व क्षेत्र श्री मनोज कुमार सिंह ने रांची में आयोजित एक कार्यक्रम में चर्म उद्योग के तहत मशीन, उपकरण व टूल्स का वितरण किया, इस अवसर पर केवीआईसी के राज्य निदेशक, रांची और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

आयोग के अध्यक्ष ने आगरा और बाराबंकी में पादुकायें बनाने वाली मशीनें और 200 बी-बॉक्स वितरित किये

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने आगरा में चर्म प्रायोगिक परियोजना के तहत पादुकायें बनाने वाली मशीनों तथा बाराबंकी जनपद में 'ग्रामोद्योग विकास योजना' के तहत मधुमक्खी पालने वाले बक्सों का वितरण किया। यह कार्य 13 दिसंबर, 2022 को डिजिटल स्वरूप में पूरा किया गया।

लाभार्थियों को पांच दिनों का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण बाराबंकी जनपद के दो स्व-सहायता समूहों 'वैष्णव और ज्ञान' ने दिया था। आज इन समहों को मधु मिशन के तहत 200 मधुमक्खी पालने वाले बक्से और उपकरण वितरित किये गये।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने मधुमक्खी पालन से जुड़ी समस्याओं पर लाभार्थियों से बातचीत की और उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में मधुमक्खी पालन को आगे बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित किया। बाद में उनके बारे में फीडबैक भी लिया गया तथा उन्हें प्रेरित किया गया कि वे अपने काम को आगे बढ़ायें।

इसके अलावा, श्री मनोज कुमार ने चर्मकला मिशन के तहत 10 लाभार्थियों को पादुकायें बनाने वाली मशीनें और उपकरण भी वितरित किये। इन लाभार्थियों को आगरा के केंद्रीय पादुका प्रशिक्षण संस्थान में 50 दिनों का प्रशिक्षण दिया गया है। लाभार्थियों से बातचीत करते हुये आयोग के अध्यक्ष ने लाभार्थियों को प्राप्त होने वाले प्रशिक्षण की जानकारी ली तथा उन्हें प्रेरित किया कि वे इस परियोजना का लाभ उठाकर चमड़ा उद्योग स्थापित करें। आयोग के अध्यक्ष ने आत्मनिर्भर भारत के बारे में प्रधानमंत्री के स्वप्न को पूरा करने तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं के जरिये स्वरोजागर के नये अवसर बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर लखनऊ राज्य कार्यालय व मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी, उत्तरप्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड तथा सीएसआईआर के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने पीएमईजीपी के तहत वित्तपोषित ऑटो मोबाइल सेवा केंद्र का दौरा किया

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री विनीत कुमार ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत रोनित सुखेजा की वित्तपोषित ऑटो मोबाइल सेवा केंद्र का दौरा किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ राम नारायण, राज्य प्रभारी निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून और डॉ. संजीब रॉय, निदेशक भी थे।

श्री विनीत कुमार सफल उद्यमी से बहुत खुश थे और उन्होंने सुझाव दिया कि वह इकाई के विस्तार के लिए दूसरा ऋण लें और अधिक सफलता प्राप्त करें और दूसरों के लिए अधिक रोजगार भी पैदा करें।

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री विनीत कुमार ने **भोगपुर कताई प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा किया**

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री विनीत कुमार ने ने उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (दक्षिण क्षेत्र) और निदेशक (केआरएम) के साथ 04 दिसम्बर, 2022 को एमडीटीसी, नदाथरा और सीएसपी, कुदूर का दौरा किया।

खादी इंडिया

Khadi India

15 दिसंबर, 2022, दिल्ली : खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के पास अपनी 18 शाखाओं और खादी संस्थानों (केआई) के 8035 खादी बिक्री आउटलेट के साथ 8 विभागीय बिक्री आउटलेट 'खादी इंडिया' का एक विस्तृत नेटवर्क है और उत्पादन करने वाले ग्रामीण कारीगरों के बीच एक नेटवर्क बनाने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) उत्पाद और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले उपभोक्ता। इसके अलावा, केवीआईसी ने विदेशी वस्तुओं का मुकाबला करने के लिए केवीआई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

1. विशेष रूप से केवीआई उत्पादों को बेचने के लिए एक आधिकारिक ई-कॉमर्स पोर्टल 'खादीइंडिया.जीओवी.इन' लॉन्च किया, जहां केवल सूचीबद्ध केआई को ही खादी उत्पादों को बेचने की अनुमति है।
2. भारत में वर्डमार्क 'खादी' और 'खादी इंडिया' लोगो के लिए ट्रेडमार्क पंजीकरण प्राप्त किया, जिसमें वर्ग-24 और 25 (कपड़ा और वस्त्र उत्पाद) शामिल हैं।
3. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उन्हें सुलभ बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रदर्शनियों का आयोजन करके केवीआई उत्पादों को लोकप्रिय बनाना।
4. अमेरिका स्थित दुनिया का प्रमुख फैशन ब्रांड, पेटागोनिया, अब डेनिम परिधान बनाने के लिए दस्तकारी खादी डेनिम कपड़े का उपयोग कर रहा है। पेटागोनिया ने अरविंद मिल्स के जरिए खादी डेनिम फैब्रिक खरीदा है।
5. खादी उत्पादों के डिजाइन, उत्पाद विकास और बिक्री में वृद्धि के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की स्थापना की गई है।
6. खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने MSMEs के लिए ई-मार्केट लिंकेज - GeM पोर्टल (gem.gov.in), समर्पित ऑनलाइन पोर्टल (kviconline.gov.in) और विरासत और स्वदेशी कला और शिल्प में विशेषज्ञता सहित केवीआई उत्पादों की आपूर्ति/विपणन तंत्र की व्यवस्था की। मान्यता प्राप्त ई-मार्केटिंग पोर्टल (www.ekhadiindia.com)।
7. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए केवीआई उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए केवडिया (गुजरात) और नई दिल्ली, मुंबई, जयपुर, जोधपुर, भोपाल और गोवा में हवाई अड्डों पर विशेष खादी लाउंज खोले गए हैं।
8. केवीआईसी ने केवीआई उत्पादों के प्रचार के लिए फैशन डिजाइनरों की सेवाएं ली हैं।

केवीआई उत्पादों के ब्रांडों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

1. खादी ब्रांडों के हितों की रक्षा और खादी उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए खादी ट्रेडमार्क पंजीकरण।
2. केवीआईसी ने ई-कॉमर्स साइटों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से केवीआई उत्पादों की बिक्री करने वाली अनधिकृत संस्थाओं को हटा दिया है।
3. वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, सरकार। भारत सरकार ने खादी उत्पादों के 11 नंबरों के लिए अलग एचएस कोड के आवंटन से अवगत कराया ताकि ब्रांड की रक्षा की जा सके और हमारे विरासत उत्पादों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर नज़र रखी जा सके।
4. सभी केंद्र सरकार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। मंत्रालयों, विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को जिला उद्योग केंद्रों (डीआईसी)/केवीआईसी/राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्डों के साथ पंजीकृत इन सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से अपने वार्षिक मूल्य का न्यूनतम 25% माल और सेवाओं की खरीद करनी है। KVIBs)/कॉयर बोर्ड/राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (NSIC)/हस्तशिल्प और हथकरघा निदेशालय/MSME मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट कोई अन्य निकाय।

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

नकली खादी की बिक्री

08 दिसंबर, 2022 दिल्ली: कपड़ा समिति, कपड़ा मंत्रालय को खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा भौतिक निरीक्षण के माध्यम से खादी उत्पादन प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने के लिए नियुक्त किया गया है ताकि हाथ से कताई और बुनाई की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके और प्रयोगशाला परीक्षण से खादी के नमूने लिए जा सकें।

केवीआईसी ने खादी के नाम पर उत्पादों की अनधिकृत बिक्री में लगी संस्थाओं को 2172 नोटिस जारी किए थे, जिसके खिलाफ 447 संस्थाओं ने अनजाने में खादी ट्रेड मार्क का उपयोग करने के लिए माफी मांगी है, 84 संस्थाओं ने इस आशय का वचन दिया है कि वे भविष्य में, खादी ट्रेड मार्क का उपयोग नहीं करेंगे।

नकली खादी उत्पादों की बिक्री को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम:

1. केवीआईसी ने वर्डमार्क "खादी" के लिए ट्रेड मार्क पंजीकरण प्राप्त किया है, जिसमें क्लास-24 और 25 (कपड़ा और कपड़ा उत्पाद) शामिल हैं।
2. केवीआईसी ने 7 ट्रेड मार्क सलाहकार नियुक्त किए हैं, जो सक्रिय रूप से तीसरे पक्ष द्वारा ट्रेड मार्क के उल्लंघन पर नजर रख रहे हैं और अनधिकृत उपयोगकर्ताओं को कानूनी नोटिस जारी कर रहे हैं।
3. केवीआईसी लगातार आधार पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया से नकली खादी उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री के संबंध में लिंक भी हटा रहा है। अब तक केवीआईसी ने अमेज़न, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील, व्हाट्सएप, यूट्यूब आदि से 2487 लिंक हटा दिए हैं।
4. केवीआईसी तीसरे पक्ष द्वारा उनके ट्रेड मार्क के हिस्से के रूप में 'खादी' शब्द के साथ दायर किए गए ट्रेड मार्क के पंजीकरण के लिए आवेदनों का लगातार विरोध कर रहा है। अब तक केवीआईसी ने 185 विरोध दायर किए हैं।
5. केवीआईसी पहले से पंजीकृत तीसरे पक्ष के ट्रेड मार्क को रद्द करने के लिए ट्रेड मार्क प्राधिकरणों के समक्ष सुधार आवेदन भी दाखिल कर रहा है, जिसमें इसके ट्रेड मार्क के हिस्से के रूप में "खादी" शब्द शामिल है। अब तक केवीआईसी ने सुधार के लिए 43 आवेदन दाखिल किए हैं।

गृह मंत्रालय के आदेश संख्या 02/01/2020-सार्वजनिक (भाग-III) दिनांक 03.12.2021 के अनुसार भारतीय ध्वज संहिता 2002 में संशोधन किया गया है कि भाग-I, पैरा 1.2 में "भारत का राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काता और हाथ से बुना या मशीन से बना, कपास/पॉलिएस्टर/ऊन/रेशम खादी बन्टिंग"। गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, पॉलिएस्टर या मशीन-निर्मित फाइबर से बने ध्वज के निर्माण के लिए विकेन्द्रीकृत होने के बावजूद हाथ से बुने खादी बंटिंग के कपड़े अभी भी जारी हैं। तीन खादी संस्थानों के पास IS-I राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण के लिए BIS लाइसेंस है और 7 और खादी संस्थानों को ध्वज निर्माण के लिए BIS लाइसेंस प्राप्त करने के लिए चिन्हित किया गया है।

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

(पृष्ठ 06 से आगे.....)

खादी सुधार और विकास कार्यक्रम का उद्देश्य खादी संस्थान द्वारा संचालित बिक्री आउटलेटों का नवीनीकरण .....

और ग्रामोद्योग बोर्ड (केवीआईबी) के बिक्री आउटलेट को 25.00 लाख रुपये प्रदान किए गए हैं। योजना की शुरुआत यानी 2009-10 के बाद से, 358 बिक्री आउटलेटों को 2966.55 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित किया गया था। वर्ष 2021-22 के दौरान 47 बिक्री केन्द्रों का नवीनीकरण किया गया।

केआरडीपी के अंतर्गत राज्य/मंडल कार्यालयवार पुनर्निर्मित बिक्री आउटलेटों की संख्या और व्यय की गई निधि

No.	State/ Divisional offices of KVIC	Renovated (upto 19.12.2022	Ammount spent (Rs.in lakh)
1	Ambala	43	332.95
2	Jaipur	2	131.83
3	Bikaner	11	121.45
4	Chandigarh	7	10.00
5	Shimla	7	37.00
6	Bhubneshwar	7	532.30
7	Kolkata	33	147.99
8	Patna	23	19.64
9	Ranchi	13	32.21
10	Guwahati	2	19.11
11	Manipur	5	27.52
12	Itanagar	1	5.00
13	Shillong	1	5.00
14	Chennai	26	393.47
15	Madurai	11	133.01
16	Bengaluru	48	412.24
17	Hubali	26	169.32
18	Vijayawada	21	135.17
19	Vishakhapatnam	8	68.00
20	Thiruvananthanampuram	18	120.67
21	Telangana	0	0.00
22	Ahmedabad	33	289.01
23	Nagpur	4	50.00
24	Bhopal	8	64.83
25	Raipur	10	101.81
26	Dehradun	12	51.73
27	Lucknow	21	119.10
28	Meerut	21	265.40
29	Varanasi	27	279.17
30	Gorakhpur	17	134.41
	Total	466	4209.34

यह जानकारी केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने आज लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

भारत रत्न
डॉ. अम्बेडकर

बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर का 67 वां महापरिनिर्वाण दिन

केवीआईसी ने डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में 6 दिसंबर को उनका 67वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया। आयोग के केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. संघप्रिया, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एम राजन बाबू, निदेशक (प्रशासन) श्री संदीप कोटे एवं अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों ने बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

हरिद्वार में 20 कुम्हार कारीगरों के लिए 10 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

देहरादून; 01.12.2022: राज्य कार्यालय, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून उत्तराखंड द्वारा ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत खनिज आधारित उद्योग (एमबीआई) के अंतर्गत मिट्टी के बर्तन बनाने की गतिविधि पर आयोजित 10 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्राम पनियाला, चंदपुर, जिला हरिद्वार में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के समापन के बाद उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें 75 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

'देशरत्न' डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी की 138वीं जयंती के अवसर पर

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की खादी संस्था-स्वदेशी कंबल आश्रम, पटना के 50 कत्तिनों द्वारा ऊनी और सूती धागे की कताई का लाइव प्रदर्शन राजभवन, पटना में आयोजित किया गया। बिहार के माननीय राज्यपाल और माननीय मुख्यमंत्री ने कारीगरों को साड़ियाँ वितरित कीं (जिला प्रशासन, पटना द्वारा आयोजन)। इस अवसर पर बिहार राज्य में केवीआईसी की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण भी दिया गया।

बैंकर्स की समीक्षा बैठक आयोजित

02.12.2022 को बैंकर्स की समीक्षा बैठक आयोजित हुई और राज्य निदेशक, केवीआईसी एवं निदेशक, उद्योग (बिहार सरकार) ने बिहार राज्य में पीएमईजीपी की बैंकवार और जिलावार प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा मुख्य रूप से वापस भेजे गए आवेदनों को निपटाने और स्वीकृत मामलों के वितरण पर केंद्रित थी।

प्रमाण पत्र वितरित

आयोग के बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र, बैंगलोर ने पीईएमजीपी के अंतर्गत सभी प्रशिक्षुओं को पेपर कन्वर्जन, साबुन बनाने और ब्यूटीशियन पाठ्यक्रम पूरा करने के प्रमाण पत्र वितरित किए।

पीईएमजीपी के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

06.12.2022 को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, कुमारबाग, बेतिया, पश्चिमी चंपारण (बिहार) में ज़िला अधिकारी, बेतिया की अध्यक्षता में 200 से अधिक छात्रों/ लाभार्थियों के लिए पीएमईजीपी के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

तिरुवल्ला, पथानामथिट्टा में पीएमईजीपी एक्सपो- 2022, खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की एक प्रदर्शनी-सह-बिक्री मेला

पीएमईजीपी एक्सपो- 2022, पीएमईजीपी के तहत निर्मित खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की एक प्रदर्शनी-सह-बिक्री मेला, 20 से 31 दिसंबर तक डॉ. अलेक्जेंडर मार्थोमा ऑडिटोरियम, तिरुवल्ला, पथानामथिट्टा में आयोजित किया गया। 12 दिवसीय इस मेले में केरल से और केरल के बाहर से आए लघु उद्योग उद्यम भाग लेते हैं। 30 प्रतिशत तक सरकारी छूट के साथ विभिन्न प्रकार के खादी वस्त्रों की बिक्री हुई। एक्सपो का आयोजन केवीआईसी और केरल सर्वोदय संघ, थिखा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री प्रधान दयाक योजना के माध्यम से छोटे व्यवसाय उद्यमों की लागत पर 35% तक की सब्सिडी प्रदान करती है। 2008-09 से अब तक 25,650 उद्यमों को 526.28 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई है। जो लोग उद्यम शुरू करने में रुचि रखते हैं वे K V I C के ऑनलाइन पोर्टल https://www.kviconline.gov.in/ pmegpeportal के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

इससे पहले, श्रीमती संथम्मा वर्गीस, नगरपालिका अध्यक्ष तिरुवल्ला ने 16-12-2022 को श्री जी.जी. अंदावर, उप. निदेशक प्रभारी, केवीआईसी की उपस्थिति में पीएमईजीपी एक्सपो 2022 का लोगो जारी किया।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राज्य कार्यालय, दिल्ली में वर्ष 2022-23 की तृतीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन श्री राकेश कुमार पाण्डेय, राज्य निदेशक / प्रभारी की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें लगभग 45 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया। श्री पवन कुमार गुप्ता, पूर्व वरिष्ठ मैनेजर, सैंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया व्याख्याता के रूप में भाग लिया, जिन्होंने कार्यालयी कार्यों में राजभाषा के महत्व के बारे प्रकाश डाला। कार्यशाला में कार्यालयी कार्य हिंदी में करने का अभ्यास करवाया गया, जिसके विजेताओं को राज्य निदेशक प्रभारी महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया।

एसएलएमसी की बैठक आयोजित

केरल सरकार के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में 8.12.22 को एसएलएमसी की बैठक आयोजित की गई। केवीआईसी के राज्य उप निदेशक प्रभारी, केरल श्री अंदावर एवं एसएलबीसी बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एर्नाकुलम में खादी संस्थाओं की बैठक

खादी संस्थाओं की बैठक 9.12.22 को केकेवीआई फेडरेशन, एर्नाकुलम में सम्पन्न हुई। श्री अंदावर उप-निदेशक प्रभारी और श्री पॉलोज़ सहायक निदेशक ने भाग लिया और सभी खादी संस्थानों को केवीवाई और जीवीवाई के संशोधित दिशानिर्देशों की जानकारी दी।

पीएमईजीपी की समीक्षा बैठक

पीएमईजीपी की समीक्षा बैठक प्रधान सचिव, उद्योग की अध्यक्षता में निदेशक उद्योग, सीईओ, केवीआईबी, एसएलबीसी, बैंक अधिकारियों और बिहार राज्य के सभी डीआईसी के जीएम के साथ सम्पन्न हुई।

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा भोगपुर कताई प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा

देहरादून: आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री विनीत कुमार ने भोगपुर कताई प्रशिक्षण केन्द्र, उत्तराखंड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, देहरादून का दौरा किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने प्रशिक्षण केन्द्र में कार्यरत सभी कारीगरों से बातचीत की तथा महिलाओं एवं सूत कातने वालों/बुनकरों से पूरी जानकारी ली।

श्री विनीत कुमार ने अपने बहुमूल्य सुझाव देते हुए प्रशिक्षण केन्द्र के निरीक्षण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया। खादी को नई पहचान मिले इसके लिए आवश्यक पहल की जाए। राज्य कार्यालय, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून को बोर्ड के साथ हर तरह से सहयोग करने और लंबित दावों को प्राथमिकता के आधार पर अपलोड करने और वर्कशेड कार्यक्रम के तहत नए लक्ष्यों की मांग करने के निर्देश दिए।

दिनांक 13.12.2022 को एमडीटीसी, देहरादून ने लोक पर्यावरण शिक्षा संस्थान, गुमानीवाला ऋषिकेश में अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया, जिसमें लगभग 40 अभ्यर्थी शामिल हुए।

आयोग के राज्य कार्यालय, पटना द्वारा 14 दिसंबर 2022 तक पीएमईजीपी योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, डिंडोरी में आयोजित किया गया।

हैदराबाद हवाई अड्डे पर जीएमआर वरलक्ष्मी फाउंडेशन कौशल विकास केंद्र में पीएमईजीपी जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

तेलंगाना सरकार के निदेशक, उद्योग के साथ पीएमईजीपी राज्य स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। तेलंगाना सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी के अलावा बैंकों और अन्य राज्य सरकार के विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दिनांक 21.12.2022 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, पटना में दिनांक 12.12.22 से 21.12.22 तक बांका जिले में आयोजित ईडीपी प्रशिक्षण के समापन पर उप विकास आयुक्त (डीडीसी), बांका द्वारा लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गये

पीएमईजीपी जागरूकता कार्यक्रम आईटीआई, मल्लेपल्ली, हैदराबाद में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला लाभार्थियों के अलावा तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ निदेशक, रोजगार एवं प्रशिक्षण ने भी भाग लिया

13 दिसंबर,2022 को पटना में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित 'टाउन हॉल मीटिंग' में बैंकरों, उद्योग संघों और मौजूदा और संभावित उद्यमियों ने भाग लिया, जहां आयोग के निदेशक ने स्वरोजगार और ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने के लिए केवीआईसी की योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की।

राज्य कार्यालय, केवीआईसी, जयपुर द्वारा बियानी गर्ल्स कॉलेज, विद्याधर नगर में पीएमईजीपी योजना के तहत एक जागरूकता शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया; जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रमों, कॉलेज संकायों, प्रबंधन के अंतिम वर्ष के छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने स्वरोजगार के बारे में केवीआईसी अधिकारियों के साथ बातचीत की। पीएमईजीपी योजना के बारे में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया गया।

आयोग के डॉ. राजेंद्र प्रसाद बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र,पटना ने संभावित लाभार्थियों के लिए नवजीवन संस्थान, ग्राम-पोस्ट बेनीपट्टी, मधुबनी में 21.12.2022 को एक दिवसीय पीएमईजीपी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

खादी ग्रामोद्योग आयोग, भोपाल द्वारा 13.12.2022 को पीएमईजीपी योजनातर्गत जिला खंडवा मे एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे महाप्रबंधक (जी.व्या.उ.के.), जिला अग्रणी प्रबंधक, प्रबंधक खा.ग्रा. बोर्ड, महिला बाल विकास विभाग एंव अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे|

प्रेस कवरेज

KVIC ALLEGES TRADEMARK INFRINGEMENT

Court Restrains MKVIA from Using 'Khadi', Logo

Maulik.Vyas@timesgroup.com

Mumbai: The Bombay High Court has restrained Mumbai Khadi and Village Industries Association (MKVIA) from using the word 'Khadi' and its logo that contains a 'Charkha' (spinning wheel) until further orders.

The order came on a petition by the Khadi & Village Industries Commission (KVIC), which argued that the Mumbai-based organisation was using the word 'Khadi' and a depiction of the 'Charkha' logo in conjunction with its name, which is an infringement of its trademark.

"This court is of the opinion that the plaintiff (KVIC) has made out a strong case in its favour for the protection of its proprietary rights as regards the registered trademark," said Justice Manish Pitale in his order dated December 14.

"This court is of the opinion that unless the defendant is temporarily restrained from further indulging in such conduct, the plaintiff will suffer grave and irreparable loss, thereby indicating that the balance of convenience is also in favour of the plaintiff."

Before the court's order, Senior Advocate Birendra Saraf, appearing for KVIC, argued that the actions of the defendant (MKVIA) not only infringed the registered trademarks of the plaintiff, but the adoption of the mark was dishonest and in the teeth of a solemn undertaking given to this court.

Any use of the word 'Khadi' requires mandatory prior approval and licence from KVIC.

KVIC argued that the Mumbai-based organisation using 'Khadi' is trademark infringement

KVIC argued that the defendant was not justified in claiming that 'khadi' was generic or descriptive in nature, because the defendant itself had applied for registration of the word 'khadi'.

Countering the arguments, counsels for MKVIA said even if the registration certificates were issued in favour of the Commission in 1956, these documents were of no consequence since MKVIA was using the word 'khadi' from 1946, for which it has produced enough evidence.

Women@बिजनेस

कटपीस से ऐसे छोटे-बड़े बैग बनाए जो आम बैग्स से अलग थे, कॉलोनी में अच्छी प्रतिक्रिया मिली और खड़ा हो गया एक स्टार्टअप, जिसे विदेशों से भी जॉब ऑर्डर मिलने लगे।

जयपुर की बैगवती; कतरनों से शुरू किया बिजनेस, आज 100 तरह के बैग बना रही हैं

BAG DESIGNER

रमा और रंजना अग्रवाल • जयपुर

रमा और रंजना अग्रवाल, देवरानी-जेठानी हैं और अपना बैग बुटीक नंदन क्रिएशन के नाम से चलाती हैं। इनके पति कपड़े और ज्वैलरी के बिजनेस में हैं। 5 साल पहले घर की जरूरतों में दोनों ने काम शुरू करने की सोची। ... इसलिए नए क्षेत्र में जाने की हिम्मत की। 150 रुपए का कटपीस खरीदा और उससे कुछ छोटे-बड़े बैग बनाए। डिजाइन ऐसे चुने जो आम बैग से अलग थे और क्वालिटी में बहुत बेहतर। उन्हें कॉलोनी की एग्जीबिशन में डिस्प्ले किया तो अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

छोटे-छोटे जॉब वर्क लेने शुरू किए। फिर अपनी कमाई से ही 8000 रुपए में पहली सिलाई मशीन खरीदी। धीरे-धीरे घर में ही फैक्ट्री शुरू की। आस-पास रहने वाली कुछ महिलाओं को काम समझाया, जो अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती थीं। लेकिन घर से बाहर नहीं निकल सकती थीं। उन्हें हाथ के काम के ऑर्डर दिए। प्राइम मिनिस्टर्स एम्प्लॉयमेंट जनरेशन प्रोग्राम की योजना के तहत 5 साल के लिए लोन लिया जिसे साढ़े तीन साल में चुका दिया। इसके कारण अगले लोन पर 25 प्रतिशत सब्सिडी मिली।

दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में हिस्सा लिया

पांच दिन की ईडीपी ट्रेनिंग में प्रोडक्ट के एक्सपोर्ट, इंपोर्ट, प्रोडक्शन, पैकेजिंग और मार्केटिंग के बारे में जाना। शहर की कई एग्जीबिशन में हिस्सा लिया जिससे नेटवर्क बना और ऑर्डर मिलने लगे। हौसला बढ़ा तो दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में हिस्सा लिया। गुवाहाटी में भी एग्जीबिशन लगाई। रशिया और जापान से जॉब वर्क मिला, जो हमारे लिए बिलकुल नया काम था लेकिन हमने उसे परफेक्शन के साथ पूरा किया। धीरे-धीरे तीन वर्कशॉप खड़ी कीं। आज लगभग 30 लोग प्रोजेक्ट के प्रोडक्शन में लगे हुए हैं। जल्द ही खादी ग्रामोद्योग की मदद से मिशन में अपने प्रोडक्ट प्रमोट करने का मौका मिलने वाला है।

लर्निंग

किसी भी बिजनेस को शुरू करने से पहले तय कर लें कि जो मार्केट में पहले से है, वो नहीं बनाएं। दूसरा, छोटे स्तर पर अपने प्रोडक्ट का रिस्पॉन्स चैक कर लें। तभी बड़े स्तर पर प्रोडक्ट लॉन्च करें। तीसरा, डिजाइन ... हर प्रोडक्ट की सीमित जिंदगी होती है इसलिए फ्रेश डिजाइन लाते रहें। चौथा, अगर लोन लिया है तो सबसे पहले उसे जल्द से जल्द चुकाने का रोडमैप बनाएं।

खादी ग्रामोद्योग में दी तकनीकी जानकारी

देहरादून। राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग देहरादून में सोमवार को आयोजित हुई हिंदी कार्यशाला में कर्मचारियों को तकनीक की जानकारी दी गई।

विशेषज्ञ ललित भूषण की ओर से राजभाषा में उपयोग किये जाने वाले प्रौद्योगिकी उपकरणों के उपयोग पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इसके तहत वॉइस टाइपिंग, पीडीएफ से वर्ड फाइल बनाना, गूगल लेंस के माध्यम से ट्रांसलेशन और यूनिकोड टाइपिंग के तरीके प्रोजेक्टर के जरिये बताए गए। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी राम नारायण और विजेंद्र कुमार प्रमुख रूप से मौजूद थे।

त्यातून कोळीवाड्यांच्या जमिनींसंबंधीची माहिती उजेडात आली आहे. पालघर, रायगड, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग या पाच जिल्ह्यातील कोळीवाड्यांच्या जमिनी राज्य सरकारच्या महसूल विभागाच्या अंतर्गत येत आहेत. महसूल विभागाच्या अंतर्गत जमिनी येत असल्यास त्या कोळीवाड्यांच्या नावे करण्याची प्रक्रिया सुलभ होत असल्याचे

खादी उत्सवाचे उद्घाटन

मुंबई, नवराष्ट्र न्यूज नेटवर्क. खादी आणि ग्रामोद्योग आयोगाचा 'खादी उत्सव' विलेपार्ले (प.) येथील केव्हीआयसी मुख्यालयात २४ फेब्रुवारीपर्यंत चालेल. सीईओ विनीत कुमार आणि इतर वरिष्ठ अधिकाऱ्यांच्या उपस्थितीत 'खादी उत्सवा'चे उद्घाटन करताना आयोगाचे अध्यक्ष मनोज कुमार म्हणाले की, खादी महोत्सवासारखे कार्यक्रम आणि प्रदर्शने खादी संस्था, पीएमईजीपी आणि स्फूर्ती युनिट्सना हजारो कारागिरांची उत्पादने थेट हातात आणण्यास मदत करतील.

मनोज कुमार म्हणाले की, केव्हीआयसीआयवर देशातील सर्वात मागासलेल्या आणि गरीब लोकांना उपजीविका देण्याची जबाबदारी सोपवण्यात आली आहे. पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांनी देशातील जनतेला खादी आणि ग्रामोद्योग उत्पादने खरेदी करण्याचे आवाहन केल्यानंतर त्यांच्या विक्रीत अनपेक्षितपणे वाढ झाली आहे. सर्वाधिक १२ कोटी रुपयांची विक्री हे याचे उत्तम उदाहरण आहे.

खादी आणि ग्रामोद्योग उत्सवाचे उद्घाटन

प्रेस कवरेज

खादी उत्सव-2023

केवीआईसी अध्यक्ष ने मुख्यालय में किया उद्घाटन

जागरूक टाइम्स संवाददाता

मुंबई। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनीत कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति में खादी उत्सव-23 का उद्घाटन किया, जो विले पार्ले (पश्चिम) स्थित केवीआईसी मुख्यालय में 27 जनवरी से 24 फरवरी, 2023 तक चलेगा। अपने उद्घाटन भाषण में केवीआईसी अध्यक्ष ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में केवीआईसीआई को देश के सबसे पिछड़े और गरीब लोगों को आजीविका प्रदान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि खादी फेस्ट जैसे कार्यक्रम और प्रदर्शनियां खादी संस्थानों, पीएमईजीपी और स्फूर्ति इकाइयों को हजारों कारीगरों के उत्पादों को सीधे ग्राहकों के हाथों में बेचने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने देश के अन्य हिस्सों के साथ-साथ विदेशों में भी इस तरह के आयोजनों को बड़ी संख्या में आयोजित करने पर जोर दिया। केवीआईसी अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की जनता से खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों को खरीदने के आह्वान के बाद उनकी बिक्री में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है। उन्होंने देश से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "वोकल फॉर लोकल एंड लोकल टू ग्लोबल" के सपने को पूरा करने की अपील की साथ ही उन्होंने अपने संबोधन में केवीआईसी के अधिकारियों और कर्मचारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों के उत्थान की जिम्मेदारी निभाने के लिए भी प्रेरित किया। नवंबर माह में दिल्ली में आयोजित आईआईटीएफ-2022 में अब तक की सर्वाधिक 12 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री इसका जीता जागता उदाहरण है। इस साल 2 अक्टूबर को, खादी इंडिया के दिल्ली आउटलेट ने एक बार फिर एक दिन में 1.34 करोड़ रुपए की खादी बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया है। गौरतलब है कि पिछले साल खादी और ग्रामोद्योगी वस्तुओं की रिकॉर्ड एक लाख पंद्रह हजार करोड़ रुपए की बिक्री हुई।

कुमारबाग इंजीनियरिंग कॉलेज में एक दिनी जागरूकता शिविर

कई विकल्प मौजूद, बड़े होने चाहिए छात्रों के सपने और लक्ष्य : डीएम

आयोजन

नये टेक्नोलॉजी एवं इनोवेशन के माध्यम से स्टार्टअप शुरू करते हुए ग्लोबल लेवल पर परचम लहरायें इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राएं : जिलाधिकारी

जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर भी बनें इंजीनियरिंग छात्र-छात्राएं

Distribution of Bee boxes to the Beekeepers under Honey Mission Programme . The programme was scheduled at Sirsi , Uttara Kannada . Dr. Nune Sreenivas Rao , Director, DO, KVIC, Hubli distributed the Bee Boxes to the bee keepers , in a function held at Sirsi , on today where in Shri. G. Rajanna, Asst. Director (EcR) and Shri. Ramadas , Asst., Director II (VI) were attended.

Kvic Hubballi
1 minute ago

Bees are essential for the health of people and the planet. Honey and other products have medicinal properties, and the role of bees as pollinators makes them vital for food supplies.

Photograph taken during the distribution of bee boxes to the Beekeepers under Honey Mission Programme , at Sirsi , in Uttarakannada District held on today.

Let the Sweet Revolution under Honey Mission Programme makes the Bee keepers self reliant

The texture and structure of Khadi fabrics enhance its lustre and beauty. Every state has its own special varieties and these products normally highlight the tradition and culture of the people resides in that area.Ponduru Khadi is famous for its uniqueness and speciality. Here i would like to introduce the speciality of one simple saree have plain body and solid border woven by using Frame loom, which is nothing but kuppadam saree.To make a kuppadam saree, two Weaver will have to sit together and weave by adopting premitive style of weaving.The speciality of kuppadam saree is its handwoven solid border and super fine yarn used both in warp and weft. Both the side of border gets beautifully embroided with the solid colour patten enhances its beauty.The saree is simple with no more motifs in body or pallov but the speciality of small motifs in border enhance its marketability.

प्रेस कवरेज

नवभारत

विलेपार्ले में खादी उत्सव 2023 का हुआ शुभारंभ

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) का 'खादी उत्सव-2023' विलेपार्ले (प.) स्थित केवीआईसी मुख्यालय में 24 फरवरी 2023 तक चलेगा. आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार, आयोग के सीईओ विनीत कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति में खादी उत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा कि खादी फेस्ट जैसे कार्यक्रम और प्रदर्शनियां खादी संस्थानों, पीएमईजीपी और स्फूर्ति इकाइयों को हजारों कारीगरों के उत्पादों को सीधे ग्राहकों के हाथों में बेचने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं.

प्रधानमंत्री के आह्वान से बिक्री में तेजी

मनोज कुमार ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में उन्हें केवीआईसीआई को देश के सबसे पिछड़े और गरीब लोगों को आजीविका प्रदान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की जनता से खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों को खरीदने के आह्वान के बाद उनकी बिक्री में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है. नवंबर माह में दिल्ली में आयोजित आईआईटीएफ-2022 में अब तक की सर्वाधिक 12 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री इसका बड़ा उदाहरण है. कुमार ने सभी से खादी उत्सव का व्यापक प्रचार करने और देश के बुनकरों, महिलाओं और कारीगरों की सम्मानजनक कमाई के लिए खादी की वस्तुओं की खरीद करने की अपील की.

युवा जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रियेटर बनें: जिलाधिकारी

रोजगार लेने वालों की जगह सृजनकर्ता बनें इंजीनियरिंग के छात्र: जिलाधिकारी

प्रखंड स्तरीय तरंग मेधा स्पोर्ट्स प्रतिस्पर्धा में बच्चों ने लिया हिस्सा

जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनें इंजीनियरिंग के छात्र

अभियंत्रण महाविद्यालय, कुमारबाग में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

नये टेक्नोलॉजी एवं इनोवेशन के माध्यम से स्टार्टअप शुरू करते हुए ग्लोबल लेवल पर परचम लहरायें इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राएं : जिलाधिकारी

आयोजन • पीएमईजीपी योजना के तहत शिविर में इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों को डीएम ने दिया संबोधित

इंजीनियरिंग करने के बाद बड़ी कंपनी में नौकरी के बदले कंपनी खोलें युवा : डीएम

सत्यमेव जयते

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises,
Government of India.

Khadi India

हस्तनिर्मित

स्विट्ज़रलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्र से कॉटन वस्त्र.

आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,
और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !

इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
भारत की आत्मीयता को महसूस करें

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

KVIC ARTWING 2018

https://www.msme.gov.in | Follow us on minmsme @minmsme | Website: www.kvic.org.in | Follow us on kvicindia @kvicindia